इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 9 नवम्बर 2023
वर्ष 16 अंक 67 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याएं गरीबी, अशिक्षा बीमारी, कुशल उत्पादन एवं वितरण सिर्फ समाजवादी तरीके से ही की जा सकती है।
-सुभाष चन्द्र बोस

तापमान - अधिकतम 30.3°C (+0.1) न्यूनतम 15.8°C(+1.2) सेंसेक्स 64,975.61 (+033.21) निफ्टी 19,443.50 (+036.80) सोना 61,350 चांदी 73,500 मुद्रा - डालर 83.23 दिरहम 22.66 रियाल 22.19

रेडियो डायग्नोसिस में तकनीशियनों व पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा महत्वपूर्ण : प्रो. मेहदी

- एरा यूनिवर्सिटी ने मनाया विश्व रेडियोलॉजी दिवस
- विद्यार्थियों ने पोस्टर और मॉडल प्रदर्शित किये

लखनऊ (ब्यूरो)। एराज़ लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एरा यूनिवर्सिटी के रेडियो-इमेजिंग टेक्नोलॉजी और रेडियो-डायग्नोसिस विभाग ने विश्व रेडियोलॉजी दिवस मनाया जिसमें बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर सीएमई का आयोजन किया गया। सीएमई में एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व रेडियोलॉजी दिवस की थीम 'सेलिब्रेटी पेसेंट सेफ्टी' है। उन्होंने कहा कि न केवल मरीजों की सुरक्षा बल्कि रेडियो डायग्नोसिस क्षेत्र में काम करने वाले तकनीशियनों और पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 1895 में विल्हेम रोएंटजेन द्वारा एक्सरे रेडिएशन की खोज की स्मृति में पिछले ग्यारह वर्षों से हर साल 8 नवंबर को विश्व रेडियोलॉजी दिवस मनाया जाता है।

प्रोफेसर मेहदी ने कहा कि विश्व रेडियोग्राफी दिवस अवसर प्रदान करता है कि विशेषज्ञ जनता को इमेजिंग प्रोसेस और विभिन्न तरह के डायग्नोस्टिक टेस्ट के बारे में शिक्षित करें। उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों के दौरान रेडियोलॉजी के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से और भी कुछ बदलाव हुआ है। उन्होंने पिछले कुछ दशकों के दौरान रेडियो-इमेजिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में विस्तार से बात की।

इस अवसर पर एरा इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च के डीन प्रोफेसर एस रियाज़ मेहदी, रेडियोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सचिन खंडूरी और डॉ. गज़ाला ज़ैदी ने भी अपना सम्बोधन दिया। सीएमई के दौरान आरएमएल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के रेडियो डायग्नोसिस विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. भानुप्रिया सिंह तथा रेडियो थेरेपी विभाग के प्रोफेसर राहत हादी ने रेडियो-डायग्नोसिस में रोगी की सुरक्षा उपायों के बारे में बात की। वैज्ञानिक सत्र में शैलेंद्र कुमार, दिवाकर और पीयूष पांडे ने भी व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया और पोस्टर, मॉडल बनाए जिन्हें कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया। कई छात्रों ने भी विकिरण सुरक्षा और खतरों, सीटी एंजियोग्राफी, कार्डियक एमआरआइ, स्मार्ट रेडियोलॉजी आदि विषयों पर प्रस्तुतियां दीं। कायक्रम का संचालन एरा यूनिवर्सिटी के रेडियो-इमेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. तरुणा सिंह और प्रोफेसर एम उस्मान खान ने किया।